

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पंतनगर, जिला- रुधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

एसपीएआरके-पीएमओएस अध्ययन का शुभारंभ

पंतनगर। 30 सितंबर 2026। राष्ट्रीय पोषण माह के अवसर पर पंतनगर कृषि विश्वविद्यालय के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के खाद्य एवं पोषण विभाग द्वारा न्यूट्रिशन सोसाइटी ऑफ इंडिया, पंतनगर चैप्टर के सहयोग से एसपीएआरके-पीएमओएस अध्ययन का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम श्रीमती एस. जे. शिंदे समिति कक्ष में आयोजित हुआ। अध्ययन का उद्देश्य छात्राओं में पॉलीएंडोक्राइन मेटाबोलिक ओवररियन सिंड्रोम के प्रति धारणा, जागरूकता, ज्ञान एवं भ्रांतियों का आकलन करना है। अध्ययन में विश्वविद्यालय के आठ महाविद्यालयों की कुल 480 छात्राओं को शामिल किया जाएगा।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय के कुलपति डा. एस.के. कश्यप ने खाद्य एवं पोषण सुरक्षा के बदलते स्वरूप पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हरित क्रांति ने देश में खाद्य उत्पादन एवं खाद्य सुरक्षा को मजबूत करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में चुनौती केवल पर्याप्त भोजन की उपलब्धता तक सीमित नहीं है, बल्कि पोषण सुरक्षा, संतुलित आहार और जीवनशैली से जुड़ी स्वास्थ्य समस्याओं पर भी ध्यान देना आवश्यक है। उन्होंने सामुदायिक विज्ञान की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि यह विषय मानव जीवन, पोषण, स्वास्थ्य, परिवार एवं समग्र कल्याण से सीधे जुड़ा हुआ है। कार्यक्रम में डा. रीता रघुवंशी, संयोजक, एनएसआई पंतनगर चैप्टर ने एसपीएआरके-पीएमओएस अध्ययन का परिचय एवं इसकी आवश्यकता पर प्रकाश डाला। डा. अर्चना कुशवाहा, सचिव, एनएसआई पंतनगर चैप्टर एवं परियोजना प्रमुख, एसपीएआरके-पीएमओएस ने अध्ययन के उद्देश्य एवं प्रस्तावित कार्यप्रणाली की जानकारी दी।

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के विभिन्न अधिष्ठाता एवं निदेशक, विभागाध्यक्ष तथा एनएसआई पंतनगर चैप्टर के पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन डा. नीतू डोमाल, कोषाध्यक्ष, एनएसआई पंतनगर चैप्टर द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

